

नौ मुखी रुद्राक्ष – देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक

ॐ नमः शिवाय

" नवमुखं महादेव्याः स्वरूपं सर्वमंगलम्।
नवदुर्गामयी रुद्राक्षं सर्वसौभाग्यवर्धनम्। "

नौ मुखी रुद्राक्ष क्या है?

नौ मुखी रुद्राक्ष देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक है। इसे शक्ति, ऊर्जा और साहस प्रदान करने वाला माना जाता है। इस रुद्राक्ष में नौ मुख (धारियां) होते हैं, और इसमें माँ दुर्गा की नौ शक्तियों (नवदुर्गा) का वास होता है। इसे धारण करने से व्यक्ति के जीवन में ऊर्जा, शक्ति और आत्मविश्वास का संचार होता है।

9 मुखी रुद्राक्ष (9 Mukhi Rudraksha) की सतह पर 9 प्राकृतिक खड़ी रेखाएं होती हैं। यह रुद्राक्ष नेपाल और जावा में अधिक पाया जाता है। यह माँ शक्ति का पंसदीदा रुद्र मनका भी है और नवमुखी रुद्राक्ष नवशक्ति संपन्न माँ दुर्गा का प्रतिनिधि है। इस रुद्राक्ष पर कपिलमुनि और भैरो देव की कृपा बरसती रहती है। यह विशेष रूप से एक सुरक्षा कवच के रूप में पहना जाता है, जिस पहनने से सभी प्रकार की बुरी संपत्ति, काला जादू और नकारात्मकता से बचाता है। यह पहनने वाले को शक्ति और ऊर्जा प्रदान करता है। 9 मुखी रुद्राक्ष का अधिपति ग्रह केतु है।

दूसरे रुद्राक्ष के विपरीत, जो भगवान विष्णु के कुछ या अन्य रूपों को प्रदर्शित करता है, लेकिन यह मनका माँ दुर्गा की शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। क्रूर ग्रहों के किसी भी प्रकार के नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए यह रुद्राक्ष घरेलू उपचार के रूप में काम करता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, ग्रहों मनुष्यों के जीवन को प्रभावित करते हैं। चूंकि ग्रह हमेशा चलायमान होते हैं, ज्योतिष के संदर्भ में, यह गोचर समय-समय पर एक राशि से दूसरी राशि में होता है। कुछ ग्रहों की चाल धीमी होती है तो कुछ ग्रहों की चाल तेज होती है। ये सभी ग्रह हर गोचर के साथ नकारात्मक और सकारात्मक रूप से अपने व्यवहार को बदलते रहते हैं। एक राशि चक्र से बाहर निकलते हैं, जो केवल एक विशेषज्ञ ज्योतिषी द्वारा भविष्यवाणी की जा सकती है।

नौ मुखी रुद्राक्ष की उत्पत्ति कैसे हुई?

शास्त्रों के अनुसार, रुद्राक्ष का जन्म भगवान शिव के अश्रुओं से हुआ है। नौ मुखी रुद्राक्ष को माँ दुर्गा ने भक्तों के कल्याण के लिए वरदान स्वरूप प्रदान किया। यह रुद्राक्ष नवदुर्गा के प्रतीक रूप में उन सभी शक्तियों को समाहित करता है, जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्ति को सहायता प्रदान करती हैं।

भौतिक परिपेक्ष्य में देखा जाये तो रुद्राक्ष एलियोकार्पस गनीट्रस वृक्ष के बीज हैं, जो मुख्य रूप से हिमालय, इंडोनेशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों सहित आध्यात्मिक विरासत वाले क्षेत्रों में उगाए जाते हैं। संस्कृत में, 'रुद्राक्ष' का अर्थ है 'रुद्र के आँसू' - भगवान शिव का एक नाम। प्राचीन ग्रंथों में इन मोतियों को शक्तिशाली आध्यात्मिक उपकरण के रूप में वर्णित किया गया है जो ध्यान, मानसिक स्पष्टता और कल्याण में सहायता करते हैं। रुद्राक्ष का पेड़ उच्च ऊंचाई वाले, उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाया जाता है। मुख्य रूप से नेपाल, भारत और इंडोनेशिया में पाया जाने वाला यह रुद्राक्ष उच्च आर्द्रता और मध्यम तापमान जैसी विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों की आवश्यकता रखता है। इसके पेड़ पर सफेद फूल खिलते हैं, जो बाद में फलों में बदल जाते हैं। जब फल सूख जाता है, तो बीज, जिसे रुद्राक्ष के रूप में जाना जाता है, प्राप्त होता है।

कौन लोग नौ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं?

ग्रह के अनुसार यह केतु ग्रह से संबंधित रुद्राक्ष है। यदि किसी की कुंडली में केतु ग्रह अशुभ हो, तो यह रुद्राक्ष उसे शुभ प्रभाव में बदल सकता है। केतु ग्रह की महादशा और अंतरदशा के दौरान इसे धारण करना लाभकारी होता है।

किस राशि पर नौ मुखी रुद्राक्ष का व्यापक प्रभाव होता है?

राशि के अनुसार:

- यह सभी राशियों के लिए उपयुक्त है।
- विशेष रूप से धनु और मीन राशि के जातकों के लिए यह अत्यधिक लाभकारी माना जाता है।

सामान्य रूप से:

- इसे वे लोग धारण कर सकते हैं, जो अपने जीवन में साहस, शक्ति और मनोबल की कमी महसूस करते हैं।
- इसे विद्यार्थी, कलाकार, प्रबंधन में कार्यरत लोग, और आध्यात्मिक साधक धारण कर सकते हैं।

नौ मुखी रुद्राक्ष से लाभ

नौ मुखी रुद्राक्ष के धारण से निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं:

- **धार्मिक और आध्यात्मिक लाभ:** देवी दुर्गा के आशीर्वाद से यह रुद्राक्ष सभी प्रकार के भय, नकारात्मकता और बाधाओं को दूर करता है। यह व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रगति में सहायक है।
- **ग्रह दोषों का निवारण:** यह केतु ग्रह के अशुभ प्रभाव को समाप्त करता है। इसे धारण करने से कुंडली में केतु द्वारा उत्पन्न मानसिक अशांति, भ्रम और अस्थिरता दूर होती है।
- **शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य:** यह तनाव, अवसाद और मनोवैज्ञानिक विकारों को कम करता है। हृदय और तंत्रिका तंत्र को मजबूत बनाता है।
- **आर्थिक और व्यावसायिक लाभ:** यह रुद्राक्ष व्यापार और करियर में सफलता दिलाने वाला माना जाता है। धन और संपत्ति की वृद्धि करता है।
- **साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि:** यह व्यक्ति के भीतर साहस और आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है। किसी भी चुनौती या समस्या से निपटने की क्षमता प्रदान करता है।
- यह पहनने वाले को आत्मविश्वास और शक्तिशाली बनाता है।
- यह धारक के दिमाग से समय डर को निकालता है और उसे स्वतंत्रतापूर्वक जीने की आजादी देता है।
- यह केतु और राहु ग्रह के क्रूर प्रभाव को दूर करने में मदद करता है।
- यह महिलाओं को शारीरिक और मानसिक शक्ति प्राप्त करने का आशीर्वाद देता है।
- यह कैरियर उन्मुख महिलाओं के लिए अनुशंसित है।
- यह पेट से संबंधित समस्याओं को दूर करता है।
- यह शरीर में दर्द, त्वचा को प्रभावित करने वाली एलर्जी को ठीक करने में भी मदद करता है।
- यह पहनने वाले के अंदर आत्मविश्वास को बढ़ाता है।
- यह काल सर्प दोष पर जाँच रखने में मदद करता है।
- यह सहस्रार चक्र का उपचार करके ब्रह्मांड के साथ संबंध स्थापित करने में मदद करता है।

- यह पहनने वाले से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है
- यह हर तरह के दुश्मनों को दूर भगाने में मदद करता है
- यह व्यक्ति के सभी पापों और चिंताओं को नष्ट करने में मदद करता है और उसे देवी दुर्गा से जोड़ता है।
- यह पहनने वाले को बहादुरी, साहस और धीरज के साथ जोड़ता है।
- यह पहनने वाले को सकारात्मक और गतिशील बनाने में मदद करता है।
- यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कामकाज में सुधार करने में मदद करता है।
- यह चक्कर आना और चक्कर की समस्याओं का इलाज करने में मदद करता है।
- यह व्यक्ति में फोबिया, चिंताओं और मतिभ्रम को दूर करने में मदद करता है।
- यह सांसारिक मामलों और आध्यात्मिक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।
- यह व्यक्ति में मिर्गी के इलाज में मदद करता है।
- यह रुद्राक्षधारी के अवसाद और शारीरिक कमजोरी को दूर करने में मदद करता है।

कैसे धारण नहीं करना चाहिए?

- वे लोग जो देवी दुर्गा या शक्ति में विश्वास नहीं रखते।
- जिन्हें शुद्ध आचरण बनाए रखने में कठिनाई होती है।
- नकारात्मक सोच रखने वाले या बुरे उद्देश्यों के लिए इसे धारण करने वाले।

नौ मुखी रुद्राक्ष धारण करने का तरीका

- **समय:** इसे किसी शुभ दिन, विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान, या सोमवार और शुक्रवार को धारण करना शुभ माना जाता है। इसे शुक्ल पक्ष में सूर्योदय के समय धारण करें।
- **पूजा और शुद्धिकरण:** इसे गंगाजल या शुद्ध जल से धोकर शुद्ध करें। भगवान शिव और माँ दुर्गा का पूजन करें।
- **मंत्र जाप:** धारण करते समय निम्न मंत्र का 108 बार जाप करें: "ॐ ह्रीं हुं नमः" दुर्गा मंत्र: "ॐ दुं दुर्गायै नमः"
- **स्थान:** इसे गले में लाल धागे या चांदी की चेन में धारण करें। इसे दाएं हाथ की कलाई पर भी बांधा जा सकता है।

विशेष सावधानियां

- इसे धारण करते समय मांसाहार और नशे से बचें।
- इसे नियमित रूप से गंगाजल से शुद्ध करें।
- इसे उतारने के बाद उचित स्थान पर रखें और अनादर न करें।

क्या यह किसी प्रकार का नुकसान कर सकता है?

यदि इसे अशुद्ध अवस्था में धारण किया जाए, तो यह अशुभ फल दे सकता है। इसे धारण करते समय अनुशासन और शुद्धता का पालन न करना हानिकारक हो सकता है। बिना ज्योतिषी की सलाह के इसे धारण करना उचित नहीं है, विशेषकर यदि केतु दोष अधिक प्रभावशाली हो।

नौ मुखी रुद्राक्ष के गुण और रंग

गुण:

- नौ मुखी रुद्राक्ष देवी दुर्गा के नौ रूपों (नवदुर्गा) का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह व्यक्ति को साहस, शक्ति और मानसिक स्थिरता प्रदान करता है।
- यह रुद्राक्ष ऊर्जा का संतुलन बनाए रखता है और जीवन में बाधाओं को दूर करता है।
- इसे धारण करने से व्यक्ति की आत्मिक उन्नति और भौतिक समृद्धि सुनिश्चित होती है।

रंग:

- इसका रंग हल्के भूरे से गहरे भूरे और कभी-कभी लालिमा लिए होता है।
- प्राकृतिक नौ मुखी रुद्राक्ष पर नौ धारियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

धार्मिक महत्व:

- यह देवी दुर्गा और उनके नौ स्वरूपों का प्रतीक है।
- इसे धारण करने से भक्त को माँ दुर्गा का आशीर्वाद मिलता है और वह सभी प्रकार के भय और नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त होता है।
- यह शक्ति और साहस के साथ-साथ आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।

आध्यात्मिक महत्व:

- यह व्यक्ति के चित्त को शुद्ध करता है और ध्यान में सहायता करता है।
- इसे धारण करने से कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है।
- यह भौतिक और आध्यात्मिक प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करता है।

ज्योतिषीय लाभ

नौ मुखी रुद्राक्ष का प्रमुख ज्योतिषीय लाभ निम्नलिखित हैं:

ग्रह दोष निवारण:

- यह केतु ग्रह के दुष्प्रभावों को कम करता है।
- केतु की महादशा और अंतरदशा में यह रुद्राक्ष व्यक्ति को मानसिक अशांति, भ्रम, और अस्थिरता से बचाता है।

शुभ प्रभाव:

- निर्णय क्षमता और विवेक में सुधार करता है।
- इसे धारण करने से व्यक्ति निडर और आत्मविश्वास से भरपूर हो जाता है।
- यह व्यक्ति को आध्यात्मिक और भौतिक जीवन में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

धन और समृद्धि:

- यह व्यापार और करियर में सफलता दिलाने वाला है।
- इसे धारण करने से धन की वृद्धि होती है।

वास्तु शास्त्र में महत्व

- **नकारात्मक ऊर्जा का नाश:** इसे घर, पूजा स्थल या कार्यक्षेत्र में रखने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है। यह सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है।
- **वास्तु दोष निवारण:** यह वास्तु दोष के कारण उत्पन्न अशांति को समाप्त करता है। इसे घर में स्थापित करने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।
- **सुरक्षा और संरक्षण:** यह व्यक्ति को भौतिक और मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसे रखने से घर में शांति और समृद्धि बनी रहती है।

स्वास्थ्य और कल्याण लाभ

- **शारीरिक स्वास्थ्य:** यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में सहायक है। त्वचा रोगों और एलर्जी से राहत प्रदान करता है। यह तंत्रिका तंत्र को संतुलित करता है।
- **मानसिक स्वास्थ्य:** तनाव, चिंता, और अवसाद को कम करता है। ध्यान और मानसिक स्थिरता में सुधार करता है। यह व्यक्ति के भीतर नकारात्मकता को समाप्त करता है।
- **आध्यात्मिक स्वास्थ्य:** यह आत्मविश्वास, धैर्य और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। ध्यान और साधना में सहायता करता है।

विशेष सावधानियां और सुझाव

- नौ मुखी रुद्राक्ष को धारण करने से पहले इसे गंगाजल या शुद्ध जल से शुद्ध करें।
- इसे विधिपूर्वक देवी दुर्गा के मंत्रों का जाप करके धारण करें।
- इसे गले में लाल धागे या चांदी की चेन में पहनें।
- इसे धारण करते समय मांसाहार, शराब, और किसी भी अशुद्ध कार्य से बचें।

नौ मुखी रुद्राक्ष देवी दुर्गा के आशीर्वाद का प्रतीक है और जीवन में साहस, शक्ति, और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक है। यह मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। इसे विधिपूर्वक धारण करने से व्यक्ति के जीवन में शांति, समृद्धि और सकारात्मकता आती है।

"हम अपने ग्राहकों को शुद्ध और प्रमाणित रुद्राक्ष प्रदान करने के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। हमारे सभी रुद्राक्ष अत्याधुनिक लैब में परीक्षण और प्रमाणन के बाद ही उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे आपको गुणवत्ता और शुद्धता का पूर्ण विश्वास मिल सके।"